Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-2 | Issue-12 | December - 2024 | Page 142-154

छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा संस्थानों में डिजिटल सूचना संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग व्यवहारः एक अध्ययन

डॉ. चन्द्रसेन जांगड़े
सहायक प्राध्यापक
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाव,
डॉ. सी. व्ही. रामन विश्वविद्यालय, करगी रोड कोटा,
बिलासपुर (छ.ग.)
drchandrasenjangde@gmail.com

सारांश

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के विकास ने उच्च शिक्षा के पुस्तकालयों की प्रकृति, सेवाओं और उपयोगकर्ता व्यवहार में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया है। वर्तमान समय में विद्यार्थी एवं शोधार्थी केवल मुद्रित पुस्तकों और पत्रिकाओं पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि ई–पुस्तक, ई–जर्नल, ई–डेटाबेस, ई–च्ळ Pathshala & LIST तथा अन्य डिजिटल सूचना संसाधनों का उपयोग अध्ययन एवं शोध के लिए कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी उच्च शिक्षा संस्थानों के पुस्तकालयों में डिजिटल सूचना संसाधनों की उपलब्धता तथा उपयोग में वृद्धि हुई है। प्रस्तुत शोध–पत्र का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा संस्थानों में डिजिटल सूचना संसाधनों के प्रति उपयोगकर्ताओं की जागरूकता, उपयोग व्यवहार, उपयोग के उद्देश्य, उपयोग में आने वाली समस्याओं तथा संतुष्टि स्तर का अध्ययन करना है। अध्ययन मुख्यतः प्रकाशित शोधों के द्वितीयक आँकड़ों पर आधारित है। धमतरी जिले के तीन चयनित महाविद्यालयों में 278 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों पर किए गए अध्ययन में ई–पुस्तकें सबसे अधिक प्रयुक्त डिजिटल संसाधन पाई गईं तथा विद्यार्थियों के ई–संसाधनों के प्रति संतुष्टि का स्तर उच्च पाया गया।

कांकेर जिले के ग्रामीण जनजातीय क्षेत्रों पर किए गए अध्ययन में 45 उत्तरदाताओं में 98% द्वारा इंटरनेट उपयोग तथा 93% द्वारा डिजिटल सूचना साक्षरता का संकेत मिला। दूसरी ओर, 98% उत्तरदाताओं ने धीमी गति/दूरस्थ अभिगम की समस्या बताई तथा 87% ने सार्वजनिक पुस्तकालय या सूचना केंद्र के डिजिटलीकरण की कमी की ओर संकेत किया।

अध्ययन से स्पष्ट होता है कि छत्तीसगढ़ में डिजिटल सूचना संसाधनों के प्रति जागरूकता बढ़ रही है, लेकिन डिजिटल अवसंरचना, नेटवर्क गति, सूचना केंद्रों के डिजिटलीकरण और उपयोगकर्ता सहायता जैसी चुनौतियों पर अभी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

मुख्य शब्द : डिजिटल सूचना संसाधन, डिजिटल साक्षरता, सूचना व्यवहार, ई–संसाधन, उच्च शिक्षा, पुस्तकालय, छत्तीसगढ़।

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-2 | Issue-12 | December - 2024 | Page 142-154

1. परिचय

पुस्तकालय उच्च शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण ज्ञान केंद्र है। परंपरागत पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों, पत्रिकाओं, संदर्भ ग्रंथों और अन्य दस्तावेजों को प्रमुख स्थान प्राप्त था। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के विकास के साथ पुस्तकालयों में डिजिटल संसाधनों का समावेश हुआ और उपयोगकर्ताओं की सूचना प्राप्त करने की आदतों में परिवर्तन आया।

डिजिटल सूचना संसाधन उपयोगकर्ताओं को कम समय में अधिक मात्रा में सूचना प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं। विद्यार्थी घर, महाविद्यालय, पुस्तकालय अथवा अन्य स्थानों से इंटरनेट के माध्यम से शैक्षणिक सामग्री तक पहुँच सकते हैं।

छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा संस्थानों में ई–संसाधनों के उपयोग पर विभिन्न अध्ययन किए गए हैं। रायपुर शहर के UG एवं PG विद्यार्थियों पर किए गए एक अध्ययन में 3,603 विद्यार्थियों को प्रश्नावली दी गई थी, जिसमें 2,702 प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुईं। अध्ययन में कला, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान के विद्यार्थियों के बीच ई–संसाधनों के उपयोग की तुलना की गई।

इस प्रकार छत्तीसगढ़ में डिजिटल सूचना संसाधनों के उपयोग का अध्ययन पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के लिए महत्वपूर्ण शोध क्षेत्र बन गया है।

2. डिजिटल सूचना संसाधनों की अवधारणा

डिजिटल सूचना संसाधन वे सूचना स्रोत हैं जिन्हें कंप्यूटर, स्मार्टफोन, टैबलेट या इंटरनेट आधारित अन्य उपकरणों के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। इनमें प्रमुख रूप से निम्न शामिल हैं–

- ई–पुस्तकें
- ई–जर्नल
- ई–न्यूज़पेपर
- ई–मैगजीन
- ई–डेटाबेस
- ई–रिसर्च रिपोर्ट
- ई–PG Pathshala
- छ–LIST
- ई–रेफरेंस बुक
- डिजिटल रिपॉजिटरी
- ऑनलाइन शोध सामग्री

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-2 | Issue-12 | December - 2024 | Page 142-154

डिजिटल संसाधनों का महत्व विशेष रूप से उच्च शिक्षा और शोध में अधिक है क्योंकि इनके माध्यम से नवीनतम शैक्षणिक सामग्री शीघ्र प्राप्त की जा सकती है।

3. सूचना जागरूकता और उपयोग व्यवहार

डिजिटल संसाधन उपलब्ध होना और उनका प्रभावी उपयोग करना दो अलग–अलग बातें हैं। उपयोगकर्ता को यह जानकारी होना आवश्यक है कि कौन–सा संसाधन कहाँ उपलब्ध है, उसे किस प्रकार खोजा जाए तथा प्राप्त सूचना की विश्वसनीयता का मूल्यांकन कैसे किया जाए।

डिजिटल सूचना उपयोग व्यवहार में निम्न बातें शामिल हैं–

1. संसाधनों की जानकारी।
2. सूचना खोजने की क्षमता।
3. डिजिटल संसाधनों की आवृत्ति से उपयोग।
4. उपयोग का उद्देश्य।
5. सूचना स्रोत का चयन।
6. खोज रणनीति।
7. प्राप्त सूचना का मूल्यांकन।
8. सूचना का शैक्षणिक उपयोग।

इसलिए डिजिटल सूचना साक्षरता आधुनिक पुस्तकालय सेवाओं का महत्वपूर्ण घटक है।

4. छत्तीसगढ़ में डिजिटल सूचना संसाधनों की स्थिति

छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए अध्ययनों से डिजिटल संसाधनों के उपयोग की अलग–अलग तस्वीर सामने आती है। धमतरी जिले के तीन चयनित महाविद्यालयों के 278 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों पर किए गए अध्ययन में विज्ञान के 165 और सामाजिक विज्ञान के 113 विद्यार्थी शामिल थे। अध्ययन में ई–पुस्तकें सबसे अधिक लोकप्रिय डिजिटल संसाधन थीं।

दूसरी ओर, कांकेर जिले के ग्रामीण जनजातीय क्षेत्रों के अध्ययन में डिजिटल सूचना साक्षरता और इंटरनेट उपयोग की स्थिति का विश्लेषण किया गया। वहाँ 45 उत्तरदाताओं में 44 यानी लगभग 98% इंटरनेट का उपयोग कर रहे थे और 42 यानी लगभग 93% को डिजिटल सूचना साक्षर बताया गया।

5. अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

1. छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा संस्थानों में डिजिटल सूचना संसाधनों के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।
2. विद्यार्थियों के डिजिटल सूचना उपयोग व्यवहार का विश्लेषण करना।

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-2 | Issue-12 | December - 2024 | Page 142-154

3. सर्वाधिक उपयोग किए जाने वाले डिजिटल संसाधनों की पहचान करना।
4. डिजिटल संसाधनों के उपयोग में आने वाली समस्याओं का अध्ययन करना।
5. डिजिटल संसाधनों के प्रति उपयोगकर्ता संतुष्टि का अध्ययन करना।
6. पुस्तकालयों की डिजिटल सूचना सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुझाव देना।

6. शोध प्रश्न

1. विद्यार्थियों में डिजिटल सूचना संसाधनों के प्रति जागरूकता का स्तर क्या है?
2. विद्यार्थी किन डिजिटल सूचना संसाधनों का अधिक उपयोग करते हैं?
3. डिजिटल संसाधनों का उपयोग मुख्यतः किन उद्देश्यों के लिए किया जाता है?
4. डिजिटल सूचना संसाधनों के उपयोग में कौन–सी प्रमुख समस्याएँ आती हैं?
5. उपयोगकर्ता डिजिटल सूचना सेवाओं से कितने संतुष्ट हैं?

7. शोध पद्धति

यह अध्ययन वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रकृति का है। इसमें द्वितीयक स्रोतों का उपयोग किया गया है। छत्तीसगढ़ से संबंधित प्रकाशित शोध–पत्रों में उपलब्ध आँकड़ों का पुनर्विश्लेषण किया गया है।

अध्ययन में विशेष रूप से–

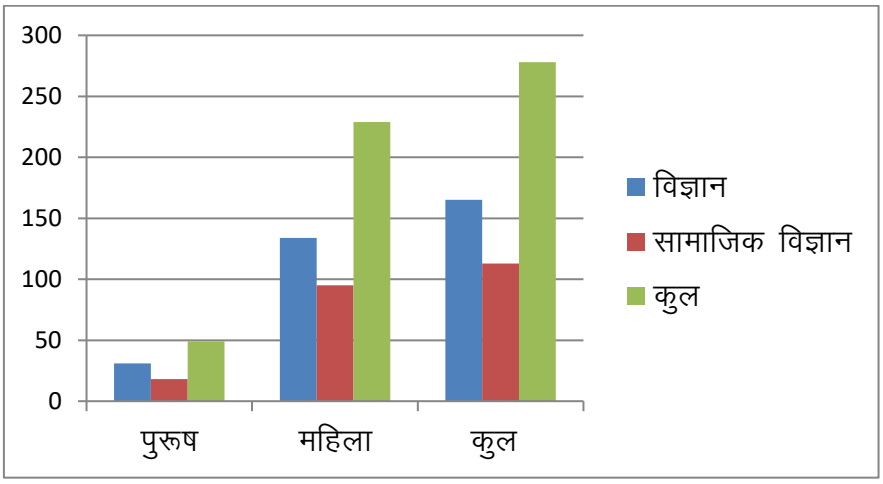
- धमतरी जिले के 278 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का अध्ययन,
- कांकेर जिले के ग्रामीण जनजातीय क्षेत्र के 45 उत्तरदाताओं का अध्ययन,
- तथा रायपुर शहर के 2,702 उत्तरदाताओं से संबंधित प्रकाशित अध्ययन

8. धमतरी जिले के उत्तरदाताओं का विवरण

तालिका कमांक 01 विषय एवं लिंग के आधार पर उत्तरदाताओं का वितरण

विषय	पुरूष	महिला	कुल
विज्ञान	31	134	165
सामाजिक विज्ञान	18	95	113
कुल	49	229	278

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-2 | Issue-12 | December - 2024 | Page 142-154



ग्राफ कमांक 01 विषय एवं लिंग के आधार पर उत्तरदाताओं का वितरण

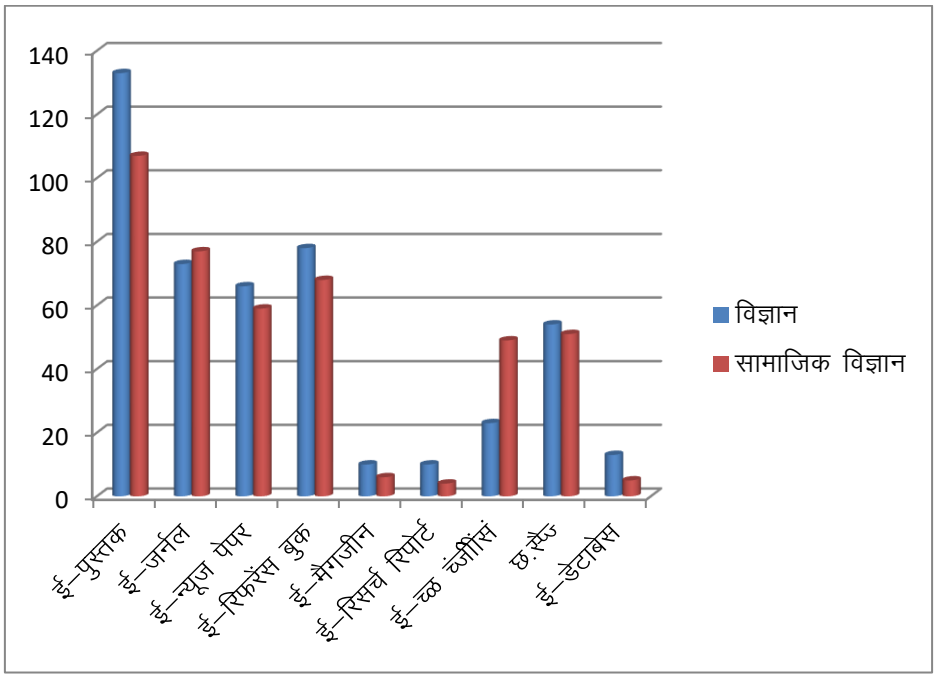
अध्ययन में कुल 278 उत्तरदाता थे, जिनमें 229 महिला और 49 पुरुष विद्यार्थी थे। विज्ञान विषय के विद्यार्थियों की संख्या 165 तथा सामाजिक विज्ञान के विद्यार्थियों की संख्या 113 थी।

9. डिजिटल संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग

तालिका कमांक 02 डिजिटल सूचना संसाधनों का उपयोग

डिजिटल संसाधन	विज्ञान	सामाजिक विज्ञान
ई–पुस्तक	133 (47.84%)	107 (38.48%)
ई–जर्नल	73 (26.55%)	77 (27.69%)
ई–न्यूज पेपर	66 (23.74%)	59 (21.22%)
ई–रिफरेंस बुक	78 (28.05%)	68 (24.46%)
ई–मैगजीन	10 (3.59%)	6 (2.15%)
ई–रिसर्च रिपोर्ट	10 (3.59%)	4 (1.43%)
ई–PG Pathshala	23 (8.27%)	49 (17.62%)
N-LIST	54 (19.42%)	51 (18.34%)
ई–डेटाबेस	13 (4.67%)	5 (1.79%)

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-2 | Issue-12 | December - 2024 | Page 142-154



ग्राफ क्रमांक 02 डिजिटल सूचना संसाधनों का उपयोग

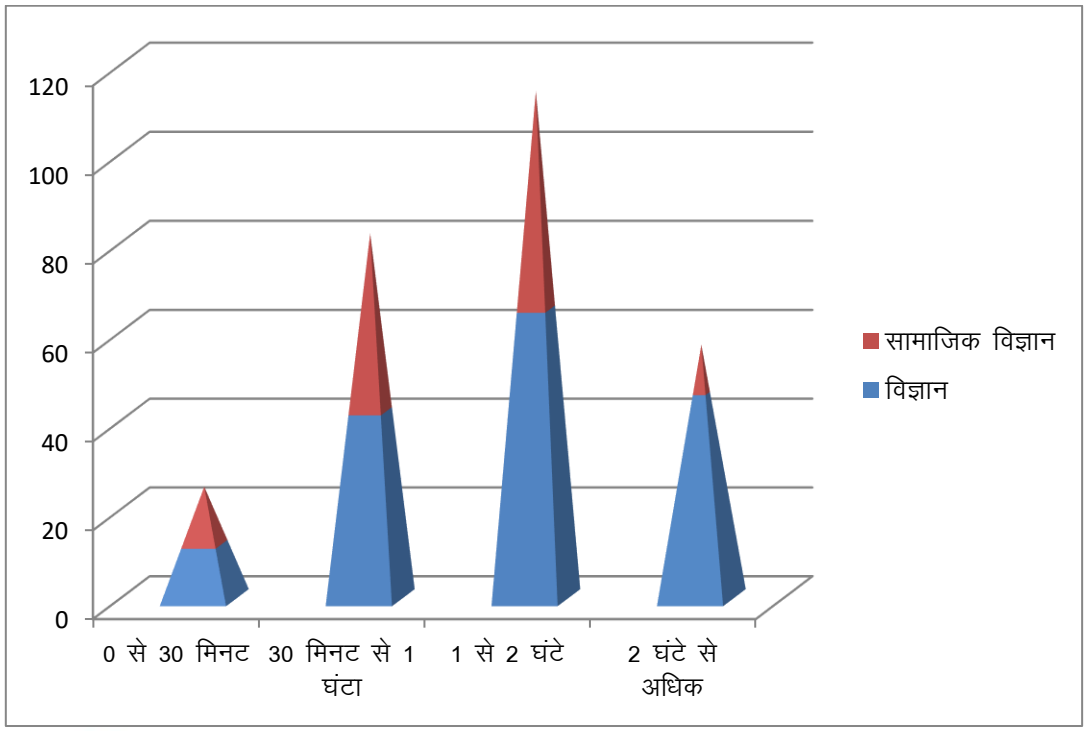
अध्ययन में ई–पुस्तक सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला संसाधन था। विज्ञान वर्ग में 133 तथा सामाजिक विज्ञान में 107 विद्यार्थियों ने ई–पुस्तकों के उपयोग की सूचना दी।

10. डिजिटल संसाधनों पर व्यतीत समय

तालिका क्रमांक 03 प्रतिदिन डिजिटल संसाधनों के उपयोग का समय

समय	विज्ञान	सामाजिक विज्ञान
0 से 30 मिनट	12 (4.31%)	13 (4.68%)
30 मिनट से 1 घंटा	42 (15.10%)	40 (14.39%)
1 से 2 घंटे	65 (23.38%)	49 (17.65%)
2 घंटे से अधिक	46 (16.54%)	11 (3.95%)

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-2 | Issue-12 | December - 2024 | Page 142-154



तालिका कमांक 03 प्रतिदिन डिजिटल संसाधनों के उपयोग का समय

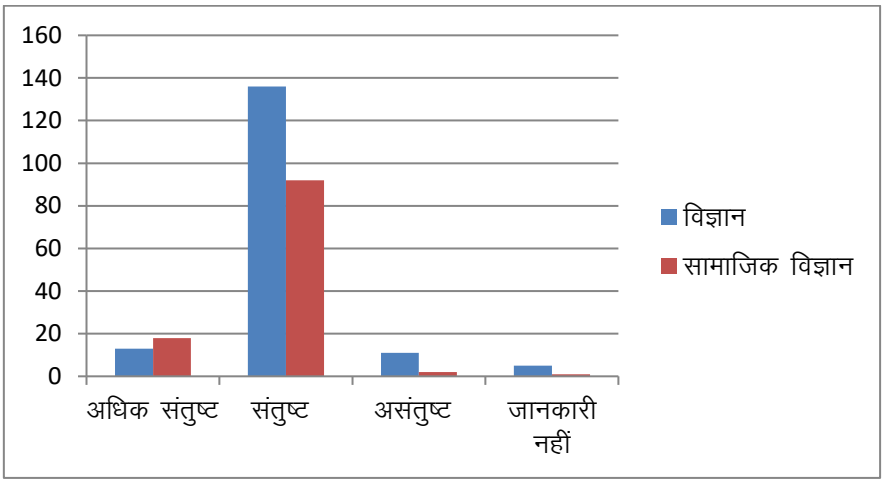
अध्ययन में विज्ञान के विद्यार्थियों में 1–2 घंटे का दैनिक उपयोग सबसे अधिक पाया गया। सामाजिक विज्ञान के विद्यार्थियों में भी 1–2 घंटे की श्रेणी सबसे अधिक थी।

11. डिजिटल सूचना संसाधनों से संतुष्टि

तालिका कमांक 04 उपयोगकर्ता संतुष्टि का स्तर

संतुष्टि स्तर	विज्ञान	सामाजिक विज्ञान
अधिक संतुष्ट	13 (4.67%)	18 (6.48%)
संतुष्ट	136 (48.92%)	92 (33.11%)
असंतुष्ट	11 (3.95%)	2 (0.72%)
जानकारी नहीं	5 (1.79%)	1 (0.36%)

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-2 | Issue-12 | December - 2024 | Page 142-154



ग्राफ क्रमांक 04 उपयोगकर्ता संतुष्टि का स्तर

अध्ययन में विज्ञान के 136 तथा सामाजिक विज्ञान के 92 विद्यार्थियों ने स्वयं को ई–संसाधनों के उपयोग से संतुष्ट बताया।

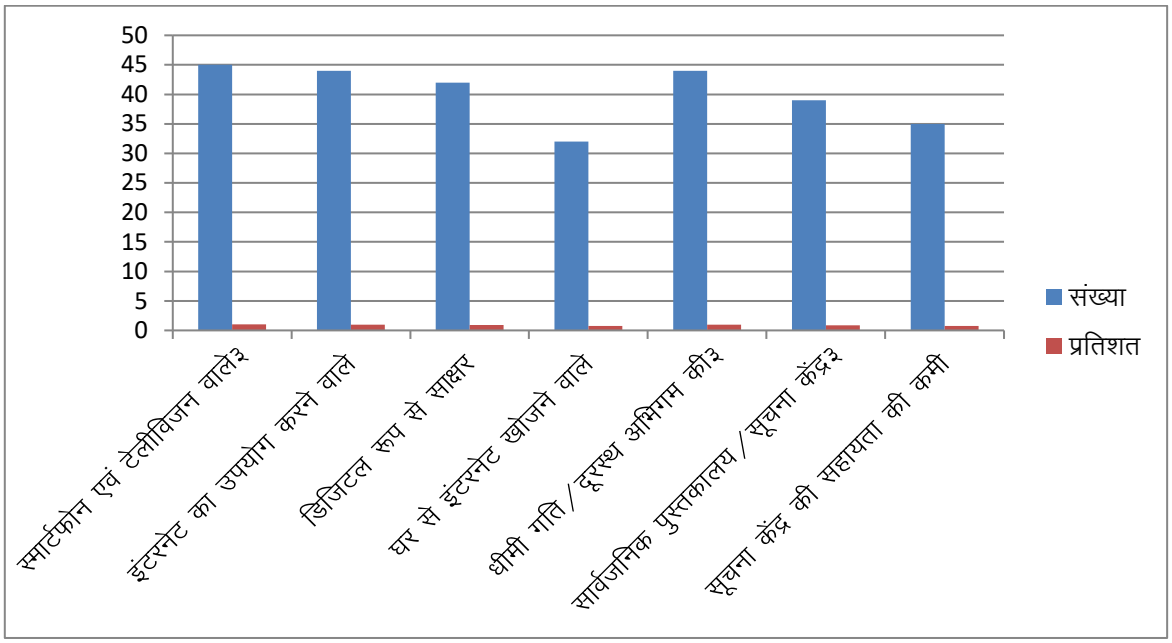
12. कांकेर के ग्रामीण जनजातीय क्षेत्र में डिजिटल सूचना साक्षरता

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के ग्रामीण जनजातीय क्षेत्रों में किए गए एक अध्ययन में 45 उत्तरदाताओं को शामिल किया गया। अध्ययन में 29 उत्तरदाता पुरुष थे, जबकि सभी 45 उत्तरदाता ग्रामीण जनजातीय समुदाय से संबंधित थे।

तालिका क्रमांक 05 कांकेर अध्ययन के प्रमुख डिजिटल संकेतक

संकेतक	संख्या	प्रतिशत
स्मार्टफोन एवं टेलीविजन वाले उत्तरदाता	45	100%
इंटरनेट का उपयोग करने वाले	44	98%
डिजिटल रूप से साक्षर	42	93%
घर से इंटरनेट खोजने वाले	32	76%
धीमी गति/दूरस्थ अभिगम की समस्या	44	98%
सार्वजनिक पुस्तकालय/सूचना केंद्र के डिजिटलीकरण की कमी	39	87%
सूचना केंद्र की सहायता की कमी	35	78%

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-2 | Issue-12 | December - 2024 | Page 142-154



ग्राफ कमांक 05 कांकेर अध्ययन के प्रमुख डिजिटल संकेतक

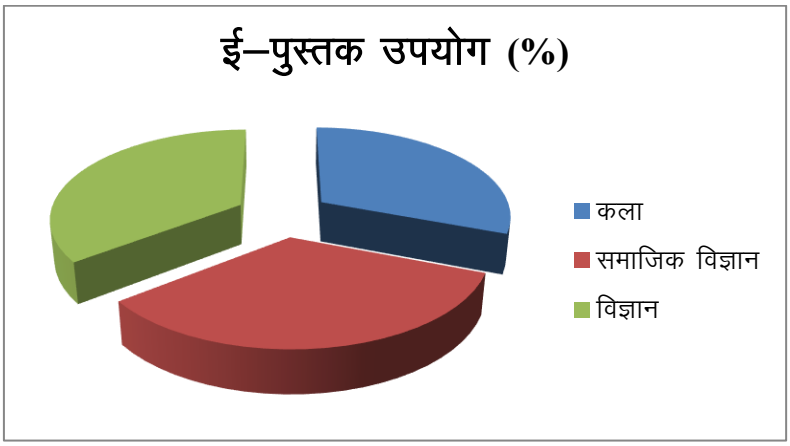
13. रायपुर में ई–पुस्तक उपयोग

रायपुर शहर के UG एवं PG विद्यार्थियों पर किए गए एक अध्ययन में कुल 3,603 विद्यार्थियों को प्रश्नावली दी गई थी और 2,702 उपयोगी प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुईं। अध्ययन में विभिन्न शैक्षणिक धाराओं के विद्यार्थियों के बीच ई–पुस्तक उपयोग की तुलना की गई।

तालिका कमांक 06 विभिन्न शैक्षणिक धाराओं में ई–पुस्तक उपयोग

शैक्षणिक धारा	ई–पुस्तक उपयोग (%)
कला	60.45%
समाजिक विज्ञान	66.36%
विज्ञान	69.69%

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-2 | Issue-12 | December - 2024 | Page 142-154



ग्राफ कमांक 06 विभिन्न शैक्षणिक धाराओं में ई–पुस्तक उपयोग

14. डिजिटल सूचना उपयोग में प्रमुख समस्याएँ

डिजिटल संसाधनों के विस्तार के बावजूद उपयोगकर्ताओं को अनेक तकनीकी और संस्थागत समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कांकेर के ग्रामीण जनजातीय क्षेत्र में 98% उत्तरदाताओं ने धीमी इंटरनेट गति/दूरस्थ अभिगम की समस्या बताई। 87% ने सार्वजनिक पुस्तकालय या सूचना केंद्र के पर्याप्त डिजिटलीकरण की कमी बताई, जबकि 78% ने डिजिटल सूचना प्राप्त करने में सहायता देने वाले सूचना केंद्रों की अनुपलब्धता की ओर संकेत किया।

प्रमुख समस्याएँ

1. धीमी इंटरनेट गति।
2. नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्या।
3. डिजिटल पुस्तकालय सुविधाओं की कमी।
4. सूचना केंद्रों की अपर्याप्तता।
5. डिजिटल कौशल का असमान स्तर।
6. उपयोगकर्ता प्रशिक्षण की कमी।
7. तकनीकी सहायता की सीमित उपलब्धता।

15. चर्चा

अध्ययन के विभिन्न स्रोतों से यह स्पष्ट होता है कि छत्तीसगढ़ में डिजिटल सूचना संसाधनों का उपयोग बढ़ रहा है, लेकिन उपयोग का स्वरूप क्षेत्र और उपयोगकर्ता समूह के अनुसार अलग–अलग है। धमतरी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में ई–पुस्तकों का उपयोग सबसे अधिक पाया गया। रायपुर के विद्यार्थियों में भी विज्ञान वर्ग में ई–पुस्तक उपयोग 69.69% था, जो कला वर्ग के 60.45% से अधिक था। कांकेर के ग्रामीण जनजातीय क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता का स्तर उल्लेखनीय होने के बावजूद इंटरनेट गति और पुस्तकालय डिजिटलीकरण से जुड़ी समस्याएँ गंभीर बनी हुई हैं। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-2 | Issue-12 | December - 2024 | Page 142-154

है कि केवल इंटरनेट अथवा स्मार्टफोन की उपलब्धता डिजिटल सूचना सशक्तीकरण के लिए पर्याप्त नहीं है। उपयोगकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण डिजिटल संसाधन, विश्वसनीय सूचना केंद्र, प्रशिक्षण और तेज नेटवर्क भी आवश्यक हैं।

16. पुस्तकालय एवं सूचना केंद्रों की भूमिका

डिजिटल सूचना संसाधनों के प्रभावी उपयोग में पुस्तकालय निम्न भूमिका निभा सकते हैं–

- User Orientation

नए विद्यार्थियों को डिजिटल पुस्तकालय संसाधनों की जानकारी दी जाए।

- सूचना साक्षरता प्रशिक्षण

विद्यार्थियों को प्रभावी सूचना खोज, मूल्यांकन और उपयोग की तकनीक सिखाई जाए।

- डिजिटल हेल्प डेस्क

उपयोगकर्ताओं की तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए डिजिटल सहायता केंद्र विकसित किए जाएँ।

- ई–संसाधन मार्गदर्शिका

विषयवार ई–संसाधनों की सूची एवं उपयोग निर्देश तैयार किए जाएँ।

- दूरस्थ अभिगम

जहाँ संभव हो, अधिकृत उपयोगकर्ताओं को दूरस्थ अभिगम सुविधा दी जाए।

- स्थानीय एवं जनजातीय क्षेत्रों पर विशेष ध्यान

ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल सूचना सेवाएँ और सामुदायिक डिजिटल सूचना केंद्र विकसित किए जाएँ।

प्रमुख निष्कर्ष

अध्ययन के आधार पर निम्न निष्कर्ष प्राप्त होते हैं–

1. छत्तीसगढ़ में डिजिटल सूचना संसाधनों के प्रति जागरूकता का स्तर बढ़ रहा है।
2. धमतरी अध्ययन में ई–पुस्तक सबसे लोकप्रिय डिजिटल संसाधन पाया गया।
3. विज्ञान के विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान के विद्यार्थियों की तुलना में कई डिजिटल संसाधनों का अधिक उपयोग करते पाए गए।
4. 1–2 घंटे प्रतिदिन डिजिटल संसाधनों के उपयोग की श्रेणी प्रमुख रही।
5. रायपुर में विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों में ई–पुस्तक उपयोग 69.69% था।
6. कांकेर के ग्रामीण जनजातीय क्षेत्र में 93% उत्तरदाताओं को डिजिटल सूचना साक्षर बताया गया।
7. ग्रामीण क्षेत्रों में धीमी इंटरनेट गति एक महत्वपूर्ण समस्या है।

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-2 | Issue-12 | December - 2024 | Page 142-154

8. डिजिटल पुस्तकालय एवं सूचना केंद्रों का विकास अभी भी आवश्यक है।
9. उपयोगकर्ता प्रशिक्षण डिजिटल सूचना सेवाओं की सफलता के लिए आवश्यक है।
10. पुस्तकालयों को डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराने के साथ–साथ उनके प्रभावी उपयोग के लिए सहायता भी प्रदान करनी चाहिए।

सुझाव

1. उच्च शिक्षा संस्थानों में उच्च गति इंटरनेट की व्यवस्था की जाए।
2. पुस्तकालयों का पूर्ण या चरणबद्ध डिजिटलीकरण किया जाए।
3. विद्यार्थियों के लिए नियमित Digital Information Literacy Programme आयोजित किए जाएँ।
4. ई–संसाधनों के उपयोग हेतु विषयवार प्रशिक्षण दिया जाए।
5. ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में डिजिटल सूचना केंद्र विकसित किए जाएँ।
6. पुस्तकालयों में डिजिटल हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएँ।
7. स्थानीय भाषा में डिजिटल सूचना मार्गदर्शिका तैयार की जाए।
8. विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय पुस्तकालयों के बीच ई–संसाधन साझेदारी को बढ़ावा दिया जाए।
9. उपयोगकर्ता संतुष्टि का नियमित सर्वेक्षण किया जाए।
10. डिजिटल संसाधनों की गुणवत्ता और उपयोगिता का समय–समय पर मूल्यांकन किया जाए।

निष्कर्ष

छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा संस्थानों में डिजिटल सूचना संसाधन शिक्षा एवं शोध की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उपलब्ध अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि ई–पुस्तकें, ई–जर्नल, ई–PG Pathshal, छ–LIST तथा अन्य डिजिटल संसाधनों के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता विकसित हुई है।

धमतरी के अध्ययन में ई–पुस्तक का उपयोग सबसे अधिक पाया गया तथा उपयोगकर्ताओं में संतुष्टि का स्तर भी उच्च था। रायपुर के अध्ययन में भी विभिन्न शैक्षणिक धाराओं के विद्यार्थियों द्वारा ई–पुस्तक का पर्याप्त उपयोग पाया गया।

वहीं कांकेर के ग्रामीण जनजातीय क्षेत्रों का अध्ययन यह संकेत देता है कि डिजिटल सूचना तक पहुँच में इंटरनेट गति, पुस्तकालय डिजिटलीकरण और सहायता सेवाओं की कमी जैसी समस्याएँ अभी मौजूद हैं। अतः छत्तीसगढ़ में डिजिटल सूचना संसाधनों के विकास की अगली दिशा केवल संसाधनों की संख्या बढ़ाना नहीं बल्कि डिजिटल पहुँच, सूचना साक्षरता, उपयोगकर्ता प्रशिक्षण, तकनीकी अवसंरचना और गुणवत्तापूर्ण पुस्तकालय सहायता को मजबूत करना होना चाहिए।

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-2 | Issue-12 | December - 2024 | Page 142-154

संदर्भ सूची

- Khunte, V. K., & Kashyap, S. R. (2025). Use and awareness of electronic resources by library users (post graduate students) of science and social science in selected college of Dhamtari district (Chhattisgarh): A study. *Journal of Ravishankar University (Part-A: Social Science), 31*(1), 26–35. https://doi.org/10.52228/JRUA.2025-31-1-4
- Lal, M., & Tiwari, B. (2024). Digital information literacy among tribal in the Chhattisgarh: A study with special reference to rural areas of Kanker district. *Journal of Indian Library Association, 58*(3), 156–170.
- Sahu, R., & Tiwari, B. (2021). Usage pattern of electronic resources among undergraduate students of selected constituent colleges of Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Raipur: A case study. *Library Waves*.
- Sahu, R., & Tiwari, B. (2022). Usage of e-resources among undergraduate students of agriculture colleges in Chhattisgarh: A study. *Indian Journal of Information, Library & Society, 35*(1–2), 111–122.
- Use of e-resources by college students of arts, social science and science stream of Raipur city: A comparative study. (2022). *Journal of Ravishankar University*.
- Usage of electronic resources by undergraduate students of College of Agriculture and Research Station, Janjgir Champa, Chhattisgarh: A study. (2024). *Research study on electronic resource usage*.